लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 147

03 फरवरी, 2020 को उत्तर के लिए

बिहार में इस्पात संयंत्र

147. श्री गोपाल जी ठाकुरः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में इस्पात संयंत्रों की कुल संख्या और ऐसे इस्पात संयंत्रों के नाम जिन पर वर्तमान में काम चल रहा है;

(ख) क्या सरकार बिहार में दरभंगा में निकट भविष्य में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए नए इस्पात संयंत्रों की स्थापना का प्रस्ताव रखती है;

(ग) यदि हां, तो उक्त इस्पात संयंत्रों के कब तक स्थापित होने की संभावना है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) क्या स्टील के आयात में गत कुछ वर्षों के दौरान वृद्धि हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके घरेलू बाजार और स्वदेशी इस्पात पर प्रभाव क्या हैं?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क): देश में इस्पात संयंत्रों की कुल संख्या 977 है। सार्वजनिक क्षेत्र में फिलहाल एनएमडीसी इस्पात संयंत्र नगरनार, छत्तीसगढ़ में काम चल रहा है, जो एक ग्रीनफील्ड इस्पात संयंत्र है।

(ख) और (ग): जी नहीं। इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है, जहाँ नए इस्पात संयंत्रों के निर्माण संबंधी निर्णय बाजार की गतिविधियों और वाणिज्यिक सोच-विचारों के आधार पर लिया जाता है।

(घ): इस्पात के आयात में गत तीन वर्षों में अर्थात् वर्ष 2016-17 में 7.23 मिलियन टन से वर्ष 2018-19 में 7.84 मिलियन टन की मामूली वृद्धि हुई है, जैसा कि नीचे तालिका में दर्शाया गया है:-

इस्पात का आयात (एमटी में)	
वर्ष	**आयात**
2016-17	7.23
2017-18	7.48
2018-19	7.84
स्रोत: जेपीसी	

तथापि, इस तरह के आयातों के बावजूद घरेलू इस्पात उत्पादन में निरंतर वृद्धि हुई है। कुछ इस्पात ग्रेडों, जिनका देश में विनिर्माण नहीं किया जाता है या पर्याप्त विनिर्माण नहीं किया जाता है, का आयात विनिर्माण क्षेत्र की सहायता करने और देश की मशीनरी, ऑटोमोबाइल आदि के निर्यात हेतु आवश्यक है।

****